Open Access
उदयगिरी - बहुभाषिक इतिहास संशोधन पत्रिका
(A Bimonthly, Refereed, & Peer Reviewed Journal of History)
Published by: AAASSHER, Mumbai, (MS) India
Journal homepage: https://udayagiri.aaassher.org/
ISSN (Online): 2583-8423
Volume 1, Issue 1, April 2023; Pages 28 – 30
DOI: 10.5281/zenodo.8382770
Original Research Article

भारत में ग्रामीण पर्यटन की संभावनाएं

प्रा. डॉ. पवार आर. एस.

अध्यक्ष, हिंदी विभाग, जयक्रांती कला वरिष्ठ महाविद्यालय, लातूर (वाणिज्य एवं विज्ञान), जिला: लातूर महाराष्ट्र, भारत

Corresponding author E-mail: rajabhaupawar27@gmail.com

Received: 24 March, 2023 | Accepted: 29 March, 2023 | Published: 30 March, 2023

बीज शब्द: भारत, ग्रामीण पर्यटन, पर्यटन की संभावनाएं

प्रास्ताविक

भारत दुनिया का एक विशालतम देश है। इस देश में हर प्रकार की विविधता पायी जाती है। इस विशाल देश में जाति, धर्म, पंथ, प्रदेश, संस्कृती, रहन-सहन, भौगोलिक क्षेत्र को लेकर विविधता पायी जाती है। इस देश की एक तरफ हिमालय, दूसरी तरफ समुद्र, एक तरफ रेगिस्तान और दूसरी तरफ नदिया पायी जाती है। क्षेत्रीय विविधता ने ही इस देश को विश्व भर में एक पहचान दिलाई है। इस विविधता से भरे देश में पर्यटन को लेकर विभिन्न संभावनाएं पायी जाती है। पर्यटन के माध्यम से मनुष्य अपने क्षेत्र से बाहर जाकर मनोरंजन विश्राम व्यवसाय एवं अन्य उद्देश्य से यात्रा करता है। भारत जैसे विशाल देश में पर्यटन की अपार संभावना है। पर्यटन के क्षेत्र में एक नया आयाम ग्रामीण पर्यटन का भी है। ग्रामीण पर्यटन के क्षेत्र में पर्यटन के विकास की आवश्यकता है। अगर इस क्षेत्र में पर्यटन का विकास किया जाता है तो गांव से बसा यह देश एक समृद्ध देश बन सकता है।

पर्यटन के लिए अंग्रेजी में Tourism शब्द का प्रयोग किया जाता है। संस्कृत साहित्य में पर्यटन के लिए तीन शब्दों का प्रयोग किया जाता है। जिन सबकी उत्पत्ति पर्यटन से हुई है। पर्यटन - इसका अर्थ है अपने निवास स्थान को छोड़कर कहीं बाहर जाना ये तीन शब्द निम्नानुसार है। पर्यटन -इसका अर्थ है आराम एवं ज्ञान प्राप्ति के लिए यात्रा करना। देशाटन - विदेश में मुख्यतः आर्थिक लाभ के लिए यात्रा करना। तीर्थाटन -धार्मिक लाभों के कारण यात्रा करना।

शब्दकोश के अनुसार पर्यटन शब्द की परिभाषा इस प्रकार है -"एक दृश्य देखने वाला व्यक्ति जो की यात्रा करता है।"

भारत देश में पर्यटन के विकास की अपार संभावनाएं पायी जाती है। "प्राकृतिक एवं ऐतिहासिक दृष्टि से भारत विश्व के देशों में पर्यटन हेतु एक महत्वपूर्ण स्थान रखता है। यह देश पर्यटकों को भिन्नभिन्न पर्वत श्रृंखलाओं-, पहाड़ियों, उच्च श्रृंखलाओं, समृद्धि समुद्री किनारो, प्राकृतिक दृश्य, दर्शनीय सौंदर्य, स्मारकों एवं संग्रहालयो, प्राचीन कला एवं नृत्य, त्योहार व दूसरे बहुत सी मूल्यवान वस्तुओं से आकर्षित करता है, जिनकी वजह से यहां राष्ट्र चित्रकार का एक संजीव उदाहरण बन चुका है।"१ भारत देश में पर्यटन के नए-नए आयाम का प्रादुर्भाव हुआ है। इन्हीं नए आयामो में एक नया आयाम ग्रामीण पर्यटन है। भारत में पर्यटन उद्योग से विदेशी मौद्रिक आय में बड़ी मात्रा में वृद्धि हो रही है। भारत में पर्यटन के माध्यम से रोजगार की संभावना भी अधिक मात्रा में नजर आ रही है।

भारत को गांव का देश कहा जाता है। भारत देश की रीड की हड्डी गांव है। देश के लगभग 70% के लोग गांव में निवास करते हैं। आधुनिकता के इस दौर में भी भारत के गांव के लोग अपने रीति-रिवाज, कला संस्कृति एवं प्राकृतिक धरोहर को संभाले है। गांव के लोगों ने एक और आधुनिकता को ग्रहण किया है वहीं दूसरी और उन्होंने अपनी प्राचीन संस्कृति को भी भुलाया नहीं है। "भारतीय संस्कृति विश्व में अत्यधिक प्रसिद्ध है। पर्यटन उत्पादन के रूप में भारतीय संस्कृति के नृत्य, गायन, पेंटिंग, मूर्तिकला, वास्तु कला इत्यादि अति प्रसिद्ध है। संपूर्ण भारत की यूं तो एक ही तरह की संस्कृति रही है, पर जलवायु स्थान आदि के कारण वह परिवर्तित भी हो जाती है।"२ पर्यटन एक ऐसा उद्योग है जिससे हमारी आर्थिक आवश्यकताये पूरी हो सकती है। इस व्यवसाय से रोजगार में वृद्धि, आय में बढ़ोतरी, विदेशी मुद्रा में वृद्धि की जा सकती है। "पर्यटन का समुचित विकास होने से बेकार और अल्प रोजगार प्राप्त युवकों एवं युवतियों को रोजगार हासिल करने का स्वर्णिम अवसर प्राप्त हो सकता है।"३ आज भारत में ग्रामीण पर्यटन के विकास की आवश्यकता है। गांव में जो कला, संस्कृति, शिल्प, प्राकृतिक धरोहर, लोकसंगीत, त्योहार, मेले, दूर-दूर तक पहले खलिहान, बाग बगीचे, विभिन्न परंपरा आदि आज भी लोगों को गांव की ओर आकर्षित करती है। आज भी हमारे व्यस्त जीवन में हमारे मन में गांव का आकर्षण दिखाई देता है । हमारा मन बार-बार गांव की तरफ भागता नजर आता है। हमारे मन में गांव की पर्यटन की आस नजर आती है। ग्रामीण भाग के सुंदर वातावरण, प्राकृतिक सौंदर्य, सांस्कृतिक परंपरा, लोक संगीत को देखना ही ग्रामीण पर्यटन है। ग्रामीण पर्यटन में हम कृषि पर्यटन, प्राकृतिक पर्यटन, साहित्यिक पर्यटन, सांस्कृतिक पर्यटन, व्यंजन पर्यटन को देख सकते हैं। वर्तमान समय में हमारे भारत सरकार ने ग्रामीण पर्यटन पर जोर दिया है। आज पर्यटन मंत्रालय के द्वारा ग्रामीण पर्यटन के विकास पर जोर दिया जा रहा है। गांव की कला हस्तकला, शिल्प, संस्कृति, लोकनृत्य आदि पर ध्यान दिया जा रहा है। अतुल्य भारत अभियान के माध्यम से इस पर जोर दिया गया है। 'अतिथि देवो भव:' का नारा लगाकर इस अभियान को गति प्रदान की गई है। साथही स्वदेश दर्शन योजना का आरंभ कर भारत सरकार ने इसे और बढ़ावा दिया है। सन 2020 में 'देखो अपना देश' योजना का आरंभ किया गया। इस योजना का उद्देश्य भारत के सभी लोगों से अपने देश के हर कोने को देखने के लिए यात्रा करने को प्रोत्साहित किया गया है। आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को पूरा करने के लिए भारत के पर्यटन मंत्रालय के द्वारा ग्रामीण पर्यटन के विकास के लिए राष्ट्रीय नीति तैयार की गई है। अंत: भारत में अभी भी ग्रामीण पर्यटन की अपार संभावनाएं हैं। ग्रामीण पर्यटन को विकसित करके ग्रामीण लोगों के लिए रोजगार के नए अवसर पैदा किया जा सकते हैं। ग्रामीण पर्यटन में लागत की मात्रा कम पायी जाती है। "राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने कहा था कि भारत गांव में बसता है। अर्थात भारत गावों का देश है। भारत देश की आत्मा गांव में

निवास करती है। 21वीं सदी में विश्व में वैश्वीकरण, औद्योगिकरण, उदारीकरण, निजीकरण एवं सूचना प्रौद्योगिकी का दौर चल रहा है पुराने तौर तरीके से अब ग्रामीण विकास नहीं हो सकता है। यदि हमने सूचना प्रौद्योगिकी के तौर तरीकों को अपनाएंगे तो ग्रामीण विकास की गति तेज हो सकती है।"४ भारत के ग्रामीण विकास के लिए ग्रामीण पर्यटन की आवश्यकता है। आज पर्यटन के विकास का दायरा बढ़ाने की आवश्यकता है। ग्रामीण पर्यटन में पैसों की लागत भी कम लगती है। आवश्यकता केवल इस बात की है कि हम उसे पर्यटन की दृष्टि से देखें। वर्तमान में ज्यादातर शहरी लोग मानसिक तनाव में है। भाग दौड़ भरे जीवन से निकल कर गांव के खेत खलिहानों में घूमने की आवश्यकता है। देश की प्राकृतिक सुंदरता शहर की बजाय गांव में बसी है। सुंदरबन, पहाड़ियां, जैव विविधता, नदिया, मौसमी वन, गहरी घाटियां, मौसमी हवा यह सब गांव में पाया जाता है। यद्यपि परंपरागत तिर्थाटन के अवशेष के रूप में कुछ मोटर मार्ग रहित पर्यटन केंद्र पर घोड़ा खच्चर एवं आंशिक परिवहन का कार्य किया जाता है। परंतु परिवहन तंत्र उनके महत्व को नजर अंदाज नहीं किया जा सकता क्योंकि उच्च पर्वतीय चोटिया एवं तीव्र दल वाले स्थान पर वह परिवहन का एकमात्र विकल्प के रूप में अपना स्थान बनाए हुए हैं। तथा उन क्षेत्रों में पर्यटन विकास का प्रमुख आधार है। साथ ही यहां व्यवस्था क्षेत्रीय पर्यावरण एवं स्थिति की के लिए भी अनुकूल है।"५ अर्थात ग्रामीण पर्यटन में अभी भी सुधार की गति लाने की आवश्यकता है। परिवहन क्षेत्र का विकास करने की आवश्यकता है। साथ ही पर्यटकों के लिए आवास की अच्छी व्यवस्था निर्माण करने की भी आवश्यकता है। ग्रामीण पर्यटन को रोजगाराभिमुख बनाने की आवश्यकता है। ग्रामीण पर्यटन देश के गांव को एक नया रूप दे सकता है। ग्रामीण पर्यटन के विकास के माध्यम से देश का विकास संभव है। आवश्यकता केवल इस बात की है कि हम सब मिलकर इस उसकी तरफ ध्यान दें।

निष्कर्षत: कहा जा सकता है कि गांव के इस भारत देश को समृद्ध बनाने के लिए ग्रामीण पर्यटन का विकास जरूरी है। ग्रामीण पर्यटन में लागत की कमी और विकास की ज्यादा संभावना को देखते हुए इस पर जोर देने की आवश्यकता है। निसंदेह ग्रामीण पर्यटन गांव के लोगों के चेहरे की चमक को बढ़ा सकता है।

संदर्भ ग्रंथ सूची

१) पर्यटन का स्वरूप, अनुपम पांडे, पृष्ठ क्रमांक 05

२) वही, पृष्ठ क्रमांक 255

३) पर्यटन भूगोल, डॉ.विमल कुमार कपूर, पृष्ठ 96

४) कृतिका- जनवरी -दिसंबर 2012, का संयुकतांक पृष्ठ क्रमांक 93

५) भारत में पर्यटन का विकास एवं संभावनाएं, सुशील कुमार छील्लर, पृष्ठ क्रमांक 200, 201